केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

12 अप्रैल 2026
रविवार

बक्सर में महिलाओं की सुरक्षा पर फोकस : वन स्टॉप सेंटर को और प्रभावी बनाने के निर्देश

2

एक नजर

टेक्नोलॉजी अब केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं, संवैधानिक साधन है, : सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट में डिजिटल परिवर्तन पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया. इस दौरान सीजेआई ने कहा कि समाज के विकास के साथ-साथ उसकी सेवा करने वाली संस्थाओं का भी विकास होना चाहिए. हम यह कैसे सुनिश्चित करें कि प्रौद्योगिकी (टेक्नोलॉजी) की शक्ति का उपयोग करते हुए भी आर्थिक, भौगोलिक या अन्य बाधाओं के बावजूद न्याय सभी के लिए सुलभ बना रहे? सीजेआई ने आगे कहा कि अदालतों के डिजिटलीकरण और हाइब्रिड सुनवाई के माध्यम से ई-फाइलिंग ने न्याय व्यवस्था को हमारे समय की बदलती जरूरतों के प्रति अधिक संवेदनशील बना दिया है. लेकिन अगर इस प्रगति को वास्तव में सार्थक बनाना है, तो हमें केवल टेक्नोलॉजी को अपनाने से आगे बढ़कर उन प्रक्रियाओं की जांच करनी होगी, जिन्हें यह टेक्नोलॉजी सेवा प्रदान करना चाहती है।

राजस्थान-छत्तीसगढ़ में तापमान 40°C के पार पहुंचेगा

नई दिल्ली। देशभर में गर्मी बढ़ने लगी है। शुक्रवार को राजस्थान के बाड़मेर में दिन का तापमान 37.5°Cतक पहुंचा। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में अगले दो दिन में दिन का तापमान 40°C के पार जा सकता है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग में दिन का तापमान 42°C से ज्यादा जा सकता है। यहां हीटवेव की स्थिति बन सकती है। दिन के साथ ही रात का तापमान भी तेजी से बढ़ेगा। मध्य प्रदेश में आंधी-बारिश थमते ही गर्मी बढ़ने लगी है। शुक्रवार को ज्यादातर शहरों में दिन के पारे में 1°C से 5.4°C तक बढ़ोतरी हुई। रतलाम में सबसे ज्यादा 5.4°C की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, हीटवेव का अलर्ट नहीं है। इधर, आंध्र प्रदेश में 5 दिन समुद्री तूफान का अलर्ट है। उत्तर से दक्षिण की ओर बनी ट्रफ लाइन बनी रही, जो ओडिशा से गल्फ ऑफ मन्नार तक फैली हुई है।

कटिहार में दर्दनाक सड़क हादसा : 10 लोगों की मौत, 25 घायल

- बस और ट्रक समेत कई गाड़ियां टकराई
- मृतकों में महिलाएं और मासूम बच्ची भी शामिल

एजेंसी। कटिहार

बिहार के कटिहार जिले से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है. कोढ़ा थाना क्षेत्र के ठल-31 पर हुए भीषण सड़क हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 25 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं. इस हादसे ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया है.जानकारी के मुताबिक, फुलवरिया और बसगढ़ा के बीच एनएच-31 पर तेज रफ्तार बस और यात्रियों से भरी पिकअप के बीच जोरदार आमने-सामने टक्कर हो गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही कई लोगों ने दम तोड़ दिया. हादसे के बाद सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और चारों तरफ चीख-पुकार सुनाई देने लगी. इस हादसे में जान गंवाने वालों में कई महिलाएं और एक मासूम बच्ची भी शामिल हैं. इससे हादसे की दर्दनाक तस्वीर और भी भयावह हो जाती है. बताया जा रहा है कि पिकअप में सवार सभी लोग पूर्णिया जिले के धमदाहा इलाके के रहने वाले थे, जो मेला देखकर अपने घर लौट रहे थे. हादसे में घायल हुए लोगों में से करीब 20 की हालत गंभीर बताई जा रही है. सभी घायलों को पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत नाजुक होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

एक और हादसे में बाइक सवार की मौत

इसी हादसे के दौरान एक और दर्दनाक घटना सामने आई. बाइक सवार सदानंद हसदा भी बस की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. बताया जा रहा है कि वे अपने बेटे के लिए लड़की देखने मरवा गांव आए थे और लौटते समय यह हादसा हुआ. उनके साथ बाइक पर सवार प्रमिला देवी और एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है. इस घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है और लोगों में काफी गुस्सा भी देखा जा रहा है।

थरूर बोले...महिला आरक्षण कानून को राजनीतिक हथियार न बनाएं

एजेंसी। नई दिल् ली

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि महिला आरक्षण कानून में होने वाले संशोधन को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। ताकि संघवाद कमजोर न हो और संसद की गरिमा को ठेस न पहुंचे। संसद में 16 अप्रैल से होने वाले विशेष सत्र से पहले थरूर ने आरोप लगाया कि सरकार 3 दिन के सत्र का इस्तेमाल राज्य चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ लेने और 2029 लोकसभा चुनाव से पहले परिसीमन की तैयारी के लिए कर रही है। थरूर ने पर लिखा कि कांग्रेस हमेशा से महिलाओं के लिए 33% आरक्षण की समर्थक रही है। 2013 में कांग्रेस ने ही यह बिल पेश कर राज्यसभा से पास कराया था, लेकिन मौजूदा सरकार का रवैया चिंताजनक है। इससे पहले शुक्रवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी। इसमें सरकार के प्रस्तावित संशोधनों पर आपत्ति जताई गई।

वीडियो शेयर कर प्रधानमंत्री मादी ने बताया बंगाल का मिजाज

घुसपैठिए बोरिया-बिस्तर बांध लें : मोदी

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चुनावी पारा बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है. आज पीएम मोदी ने कटवा का वीडियो शेयर करते हुए बंगाल का मिजाज बताया. उन्होंने अपने पीछे लोगों की भीड़ को दिखाते हुए कहा मेरे प्यारे देशवासियों आप देख सकते हैं कि बंगाल का मिजाज क्या है. उन्होंने कहा कि मेरी ये आज के दिन की पहली सभा है, सिर्फ हेलीपैड पर ही हजारों लोग, युवा, माताएं और बहनों की भीड़ जुटी है. ये दृश्य अद्भुत है. फिलहाल लोग मेरा पब्लिक मीटिंग में इंतजार कर रहे हैं, इसलिए मुझे चलना पड़ेगा. इस बार के विधानसभा चुनाव के लिए 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में वोटिंग होनी है. आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिला के कटवा में जनसभा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि घुसपैठिए अपना बोरिया-बिस्तर बांधना शुरू कर दें, अब जाने का समय आ गया है. अवैध प्रवासियों की मदद करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा. उन्होंने कहा कि बर्धमान में हजारों-हजार लोगों का ये रैला, बंगाल में खेला करने वाला है. ये दृश्य 4 मई के नतीजे का ट्रेलर है. मैं देख रहा हूं, इस चुनाव में आपका उमंग, उत्साह, आपकी ऊर्जा, संकल्पङ्ग ये भय पर भरोसे की विजय का उद्घोष है. बंगाल परिवर्तन के लिए तैयार है. असम, केरल और पुडुचेरी में वोट पड़ चुके हैं. वहां भारी मतदान हुआ है. बहुत बड़ी संख्या में लोग मतदान के लिए निकले हैं. पीएम मोदी ने कहा कि महिलाओं ने बड़ी संख्या में वोट डाला है. मैं चुनाव आयोग को बधाई देता हूं, बिना किसी घटना के तीनों राज्यों में मतदान हुआ है.

टीएमसी के भय को मोदी के भरोसे में बदलना है

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले हमने बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा में देखा हैङ्ग जहां भी भारी मतदान हुआ है और महिलाएं वोट डालने निकली हैं, वहां भाजपा-एनडीए को प्रचंड बहुमत मिला है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मोदी गारंटी टीएमसी के भय को हटाकर भरोसे में बदलने की है. ये गारंटी पूरी कैसे होगी ये भाजपा के घोषणा पत्र में है. उन्होंने कहा कि बीजेपी भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था को लेकर एक व्हाइट पेपर जारी करेगी ताकि टीएमसी के हर गुंडे, हर भ्रष्ट विधायक-मंत्री का कानूनी रूप से पूरा हिसाब किया जा सके. उन्होंने कहा कि इसमें निर्मम सरकार के 15 साल का पूरा हिसाब होगा. पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा ने संकल्प लिया है कि वो बंगाल को विकास की नई ऊंचाई पर ले जाएगी. कल ही बंगाल भाजपा ने अपना घोषणापत्र जारी किया है. इसमें मैंने जो आपको 6 गारंटियां दी हैं, उन्हें लागू करने का रोडमैप है. मैं बंगाल भाजपा के सभी साथियों को इस शानदार घोषणापत्र के लिए बधाई देता हूं. मोदी की गारंटी, टीएमसी की निर्मम सरकार के भय को हटाकर भरोसे में बदलने की है और ये गारंटी पूरी कैसे होगी यह पूरा खाका भाजपा के घोषणापत्र में है।

पीएम बोले- बंगाल की जनता टीएमसी का अहंकार चकनाचूर कर देगी

पीएम मोदी ने कहा- आजादी के बाद से, बंगाल को चुनौती देने की हिम्मत करने वाले हर व्यक्ति का अहंकार चकनाचूर हो गया है। पहले अंग्रेजों का, फिर कांग्रेस का, और अंत में वामपंथियों का अहंकार चकनाचूर हो गया। अब बंगाल की जनता टीएमसी के अहंकार को चकनाचूर कर देगी। मोदी ने कहा- बंगाल की जनता ने मां, माटि और मानुश के नारे से प्रेरित होकर, बहुत आशा और उमंग के साथ टीएमसी को एक मौका दिया लेकिन सत्ता में आते ही टीएमसी वामपंथियों की कॉर्बन कॉपी बन गई। प्रधानमंत्री ने कहा- वामपंथियों से जुड़े सभी गुंडे और गिरोह तृणमूल में शामिल हो गए हैं। टीएमसी ने अब हर चीज का जिम्मा अपने हाथ में ले लिया है- हथियारों, नशीले पदार्थों और मवेशियों की तस्करी से लेकर उन कटौतियों और कमीशनों तक, जो कभी वामपंथियों की पहचान हुआ करती थीं।

गुजरात स्थानीय निकाय चुनाव : नामांकन के आखिरी दिन उमड़ा प्रत्याशियों का सैलाब

एजेंसी। नई दिल्ली

गुजरात में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए शनिवार को नामांकन का अंतिम दिन गहमागहमी और भारी उत्साह से भरा रहा। राज्य के राजनीतिक मैदान में अपनी किस्मत आजमाने के लिए उम्मीदवारों का तांता लगा रहा। 26 अप्रैल को होने वाले इस चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच माना जा रहा है। वहीं, एनसीपी और एआईएमआईएम की मौजूदगी ने कई सीटों पर मुकाबले को बहुकोणीय और दिलचस्प बना दिया है। शनिवार को नजारा कुछ ऐसा था कि कई उम्मीदवार अपनी पार्टी का आधिकारिक पत्र हाथ में लिए दफ्तरों की ओर दौड़ते नजर आए। अंतिम समय में टिकटों की घोषणा होने के कारण उम्मीदवारों के पास कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए बहुत कम समय बचा था। वहीं, टिकट न मिलने से नाराज कुछ नेताओं ने अपनी पार्टियों के खिलाफ खुलकर असंतोष भी जाहिर किया। इस बार के चुनाव में कुछ ऐसे चेहरे भी शामिल हैं, जो राजनीति के पुराने खिलाड़ी नहीं हैं, लेकिन अपनी लोकप्रियता के दम पर चुनाव जीतना चाहते हैं। इसमें पूर्व आईपीएस एमएल निनामा शामिल हैं। हाल ही में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर भाजपा में शामिल हुए पूर्व पुलिस अधिकारी निनामा अरावली जिला पंचायत की ओढ़ सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

होर्मुज से सुरक्षित निकला एलपीजी जहाज जग विक्रम, 15 अप्रैल को मुंबई पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली/तेहरान। भारत के झंडे वाला एलपीजी जहाज जग विक्रम शनिवार को सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर गया। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, यह जहाज लगभग 20,400 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर 24 नाविकों के साथ भारत आ रहा है और इसके 15 अप्रैल 2026 को मुंबई पहुंचने की उम्मीद है। जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, यह टैंकर शुक्रवार रात से शनिवार सुबह के बीच होर्मुज से गुजरा और अब यह पूर्व दिशा में आगे बढ़ रहा है। मंत्रालय ने बताया कि यह जहाज मुंबई स्थित ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी का है और इसकी वजन क्षमता 26,000 टन से अधिक है। जग विक्रम मध्यम आकार का गैस वाहक जहाज है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जग विक्रम मार्च की शुरूआत के बाद फारस की खाड़ी से निकलने वाला नौवां भारतीय जहाज है। अभी भी लगभग 15 भारतीय ध्वज वाले जहाज इस क्षेत्र में मौजूद हैं और सुरक्षित तरीके से निकलने का इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले पश्चिम दिशा में मौजूद 8 और पूर्व दिशा में मौजूद 2 जहाज सुरक्षित रूप से निकल चुके हैं।

डुमरांव में बेहतर कानून-व्यवस्था स्थापित करने वाले एसडीपीओ पोलस्त कुमार को डीआईजी ने किया सम्मानित

- **त्योहारों से लेकर वीआईपी दौरे तक—सटीक रणनीति और टीमवर्क से कायम की शांति, डीआईजी ने सराहा नेतृत्व**

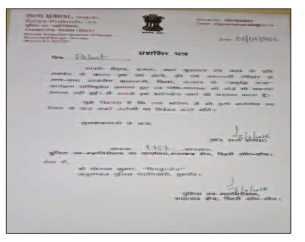

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाने वाले एसडीपीओ पोलस्त कुमार को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और कर्तव्यनिष्ठा के लिए सम्मानित किया गया है। शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्यप्रकाश ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर उनकी कार्यशैली की खुलकर सराहना की। यह सम्मान न केवल एक अधिकारी की उपलब्धि है, बल्कि पूरे अनुमंडल के लिए गर्व का विषय बन गया है। डीआईजी कार्यालय के ज्ञापांक संख्या 1464 के तहत दिए गए इस प्रशस्ति पत्र में एसडीपीओ की सूझबूझ, त्वरित निर्णय क्षमता और मजबूत नेतृत्व को रेखांकित किया गया है। खासतौर पर होली, ईद और रामनवमी जैसे संवेदनशील पर्वों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में उनकी भूमिका को बेहद सराहनीय बताया गया। इन मौकों पर उन्होंने न सिर्फ अतिरिक्त सतर्कता बरती, बल्कि पुलिस बल का प्रभावी प्रबंधन करते हुए किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोका। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ‘समृद्धि यात्रा’ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी एसडीपीओ ने अपनी दक्षता का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान भीड़ नियंत्रण, वीआईपी मूवमेंट और सुरक्षा के हर पहलू को बारीकी से संभालते हुए उन्होंने पूरे आयोजन को सफल बनाया। डीआईजी सत्यप्रकाश ने अपने संदेश में कहा कि पोलस्त कुमार जैसे अधिकारी पुलिस विभाग के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि सभी अधिकारी इसी तरह समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, तो आम जनता में सुरक्षा और विश्वास का माहौल और मजबूत होगा। इस सम्मान के बाद पुलिस महकमे में उत्साह का माहौल है। स्थानीय पुलिसकर्मियों और अधिकारियों ने एसडीपीओ को बधाई देते हुए इसे पूरे डुमरांव अनुमंडल के लिए गौरव की बात बताया। वहीं आम लोगों ने भी उनकी निष्पक्षता, सक्रियता और जनता के प्रति संवेदनशील रवैये की सराहना की।

अपनी इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने इसे टीमवर्क का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि यह सफलता अकेले उनकी नहीं, बल्कि एसपी शुभम आर्य के मार्गदर्शन और सभी थानों की पुलिस टीम के सहयोग का परिणाम है। इस सम्मान ने न केवल एक अधिकारी का मनोबल बढ़ाया है, बल्कि पूरे क्षेत्र में बेहतर पुलिसिंग की उम्मीदों को भी नई ऊर्जा दी है।

डीएम साहिला और एसपी शुभम आर्य ने किया संयुक्त निरीक्षण, स्किल मैपिंग व जागरूकता अभियान तेज करने पर जोर

बक्सर में महिलाओं की सुरक्षा पर फोकस : वन स्टॉप सेंटर को और प्रभावी बनाने के निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बक्सर स्थित वन स्टॉप सेंटर के कार्यों की गहन समीक्षा की गई। शनिवार को जिलाधिकारी साहिला एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया और इसकी कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। वर्तमान में यह केंद्र बक्सर सदर प्रखंड परिसर में अपने भवन से संचालित हो रहा है, जहां हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे विभिन्न प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई जाती है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली तथा संधारित पंजियों की जांच कर मामलों के निष्पादन की स्थिति का आकलन किया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश

दिया कि केंद्र पर आने वाली पीड़ित महिलाओं की स्किल मैपिंग कर उन्हें रोजगारपरक प्रशिक्षण से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ना सुनिश्चित किया जाए, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। साथ ही, हिंसा से प्रभावित महिलाओं के मामलों का नियमित फॉलोअप करने पर भी विशेष जोर दिया गया।

केंद्र प्रशासक को निर्देशित किया गया कि सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा पीड़ित महिलाओं को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। इसके अतिरिक्त, जिले के प्रमुख चौक-चौराहों और ग्रामीण क्षेत्रों में वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी बल दिया गया, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद महिलाएं इसका लाभ उठा सकें। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि पिछले वित्तीय वर्ष में प्रचार-प्रसार के प्रयासों से लाभार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी क्रम में ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर पीड़ित महिलाओं तक पहुंचने, उनका काउंसलिंग करने और उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने भी इस दौरान अहम निर्देश देते हुए कहा कि थानाध्यक्षों के साथ होने वाली बैठकों में वन स्टॉप सेंटर के प्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने महिलाओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा से संबंधित सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान और समन्वित कार्रवाई पर जोर दिया। मामलों की स्थिति पर एक नजरः

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान वन स्टॉप सेंटर में कुल 145 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें घरेलू हिंसा के 97, दहेज प्रताड़ना के 7, बाल विवाह के 7, यौन शोषण के 2, साइबर क्राइम का 1, द्वितीय विवाह के 21 तथा अन्य 10 मामले शामिल हैं। इनमें से अब तक 83 घरेलू हिंसा, 7 दहेज प्रताड़ना, 1 यौन शोषण, 20 साइबर क्राइम, 2 बाल विवाह, 2 द्वितीय विवाह और 12 अन्य मामलों का सफल निष्पादन किया जा चुका है।

क्या है वन स्टॉप सेंटर

वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के लिए एक समेकित सहायता केंद्र है, जहां किसी भी प्रकार की हिंसा से प्रभावित महिलाओं को चिकित्सकीय सहायता, कानूनी परामर्श, मनोसामाजिक काउंसलिंग और अधिकतम पांच दिनों तक अस्थायी आश्रय की सुविधा दी जाती है। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें पुनर्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जाता है। निरीक्षण के दौरान जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस), जिला मिशन समन्वयक, केंद्र प्रशासक एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

एक नजर

ट्रांसफार्मर स्थापना के लिए सोमवार को डुमरांव में गुल रहेगी बिजली, कई फीडर रहेंगे प्रभावित

डुमरांव। डुमरांव शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को निर्धारित तकनीकी कार्य के चलते करीब छह घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत विभाग ने जानकारी दी है कि सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक पावर सप्लाई बंद रखी जाएगी, जिससे शहरी व ग्रामीण दोनों इलाकों के उपभोक्ताओं को अस्थायी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कनीय विद्युत अभियंता मोहम्मद इम्तियाज के अनुसार, डुमरांव स्थित 33/11 केवी पावर हाउस में 3.15 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाना है। इस महत्वपूर्ण कार्य को सुरक्षित और सुचारू रूप से पूरा करने के लिए विद्युत आपूर्ति को निर्धारित अवधि के लिए बंद करना आवश्यक है। इस दौरान 11 केवी टेक्सटाइल फीडर, 11 केवी टाउन फीडर, नया भोजपुर 11 केवी फीडर, 11 केवी बरूना फीडर तथा ग्रामीण फीडर से जुड़े सभी क्षेत्रों में बिजली सेवा प्रभावित रहेगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ट्रांसफार्मर स्थापना का कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार आएगा और लो-वोल्टेज व बार-बार कटौती की समस्या में कमी आएगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे पूर्व तैयारी कर लें। खासकर पेयजल भंडारण, मोबाइल चार्जिंग और अन्य आवश्यक कार्य समय रहते पूरा कर लें, ताकि असुविधा से बचा जा सके। विभाग का कहना है कि कार्य को तय समय सीमा में पूरा करने का प्रयास किया जाएगा और जैसे ही काम पूरा होगा, बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि इस पहल के बाद क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही विद्युत समस्याओं से राहत मिलेगी।

एमपी हाई स्कूल का डीएम ने किया निरीक्षण, अटल टिंकरिंग लैब के प्रभावी उपयोग पर दिया जोर

बक्सर। जिलाधिकारी साहिला ने शनिवार को एमपी हाई स्कूल सह मॉडल स्कूल का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, आधारभूत संरचना और उपलब्ध संसाधनों का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षाओं में चल रही पढ़ाई, विद्यार्थियों की उपस्थिति, परिसर की साफ-सफाई तथा शिक्षण व्यवस्था का विस्तृत अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने विशेष रूप से विद्यालय में स्थापित अटल टिंकरिंग लैब का अवलोकन किया और इसके प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि इस लैब के माध्यम से छात्रों में नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें प्रयोगात्मक और प्रायोगिक शिक्षा से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय भवन की स्थिति का भी निरीक्षण किया। कुछ स्थानों पर मरम्मत की आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को शीघ्र आवश्यक अनुरक्षण कार्य कराने का निर्देश दिया, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके। जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रशासन को साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार करने तथा उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने की बात कही। यह निरीक्षण जिला प्रशासन की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा विद्यालयों में नवाचार को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। जिलाधिकारी के इस पहल से विद्यालय में शिक्षण व्यवस्था और बेहतर होने की उम्मीद जताई जा रही है।

कटनी प्रयोग में 30.40 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज का अनुमान

केटी न्यूज/बक्सर

कृषि वर्ष 2025-26 के अंतर्गत रबी गेहूं फसल के कटनी प्रयोग का निरीक्षण शनिवार को उप विकास आयुक्त निहारिका छवि ने किया। यह प्रयोग प्रखंड राजपुर के पंचायत नागपुर स्थित ग्राम इस्माइलपुर में किसान महेंद्र सिंह के खेत (खेसरा संख्या 165) में संपन्न हुआ। इस दौरान संबंधित अधिकारियों एवं किसानों की उपस्थिति में फसल उत्पादन का वैज्ञानिक तरीके से आकलन किया गया।

कटनी प्रयोग 10 मीटर लंबा एवं 5 मीटर चौड़ा आयताकार क्षेत्र में किया गया, जिसमें कुल 15.200 किलोग्राम गेहूं की उपज प्राप्त हुई। इस आधार पर प्रति हेक्टेयर औसत उपज दर 30.400 क्विंटल आंकी गई। अधिकारियों के अनुसार यह प्रक्रिया किसानों को फसल उत्पादन का सटीक अनुमान देने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जाती है।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे प्रयोग नियमित रूप से कराए जाएं, ताकि जिले में फसल उत्पादन के वास्तविक आंकड़े प्राप्त हो सकें। उन्होंने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया।

इस अवसर पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी मोती कुमार दिनकर, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी अभय प्रताप सिंह, शशि भूषण पांडेय, प्रखंड कृषि पदाधिकारी ऋषिकेश सिंह, अवर सांख्यिकी पदाधिकारी जितेंद्र कुमार एवं कृषि समन्वयक धनंजय कुमार राय मौजूद रहे। साथ ही पंचायत नागपुर के मुखिया आनंद प्रकाश सिंह सहित स्थानीय किसान राजेश सिंह, मोहन राय, संजय सिंह एवं गोपाल यादव समेत अन्य ग्रामीण भी उपस्थित थे।

छापेमारी में बड़ा खुलासा : तहखाने से 140 लीटर शराब बरामद, तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

स्थानीय थाना क्षेत्र के नोनियापुरा गांव में उत्पाद विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में टीम ने एक मकान के अंदर बने तहखाने से करीब 140.25 लीटर देशी एवं विदेशी शराब जब्त की। इस दौरान मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया गया।

डुमरांव उत्पाद थानाध्यक्ष प्रीति कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि गांव में अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही है। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से चार से पांच वाहनों पर सवार होकर टीम ने शुक्रवार शाम चिन्हित मकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान आंगन में बनाए गए गुप्त तहखाने से बड़ी मात्रा में शराब छुपाकर रखी मिली।

कार्रवाई के दौरान विनोद प्रसाद नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ डुमरांव उत्पाद थाना में उत्पाद अधिनियम के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। शनिवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया।

उत्पाद विभाग ने इस कार्रवाई को अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि ऐसे मामलों में आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा।

बक्सर में एलपीजी आपूर्ति पर प्रशासन सख्त कालाबाजारी रोकने को व्यापक निगरानी

- **27 गैस एजेंसियों के जरिए आपूर्ति, 25, 45 दिन के अंतराल पर बुकिंग की व्यवस्था लागू**

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी राज कुमार ने बताया कि इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनियों के अंतर्गत जिले में कुल 27 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं। इनमें इंडियन ऑयल की 13, भारत पेट्रोलियम की 6 और हिंदुस्तान पेट्रोलियम की 8 एजेंसियां शामिल हैं। कंपनीवार घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या भी जारी की गई है, जिसमें इंडियन ऑयल के 2,02,360, भारत पेट्रोलियम के 57,517 तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 90,668 उपभोक्ता शामिल हैं। 13 मार्च से 10 अप्रैल तक कुल 1,34,846 गैस सिलेंडरों का वितरण किया जा चुका है, जबकि 10 अप्रैल तक एजेंसियों के पास 3,896 सिलेंडर शेष हैं। जिले में प्रतिदिन औसत मांग 6,419 सिलेंडर है, जबकि औसत आपूर्ति 5,656 सिलेंडर हो रही है। वर्तमान में 27,357 रीफिल बुकिंग लंबित हैं और लगभग 4.8 दिनों का बैकलॉग बना हुआ है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहरी क्षेत्रों में अंतिम डिलीवरी के 25 दिनों बाद और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिनों बाद ही नया सिलेंडर बुक कराया जा सकेगा। जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए सभी एजेंसियों पर दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई है। साथ ही अधिकारियों द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। अब तक दो प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। 10 अप्रैल को 47 गैस एजेंसियों और अन्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण भी किया गया। शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां 941 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 846 का निपटारा किया जा चुका है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। विवाह समारोह के लिए व्यावसायिक गैस प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रक्रिया निर्धारित की गई है, जिसके तहत संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी के माध्यम से ही गैस उपलब्ध कराई जाएगी।

बक्सर में बोधिका ई-पत्रिका का विमोचन, शिक्षा में नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

- शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए रचनात्मक मंच बनी मासिक पत्रिका, अधिकारियों व शिक्षाविदों ने सराहा प्रयास

केटी न्यूज/बक्सर

जिला शिक्षा विभाग, बक्सर द्वारा प्रकाशित मासिक शैक्षिक ई-पत्रिका बोधिका के अप्रैल अंक का विमोचन शनिवार को एक गरिमामय कार्यक्रम के दौरान किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं शिक्षाविदों की उपस्थिति रही, जहां पत्रिका को शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया गया। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी चन्दन कुमार द्विवेदी, डायट डुमरांव के वरीय व्याख्याता डॉ. नवनीत कुमार सिंह सहित पत्रिका के संपादन से जुड़े सदस्यों ने संयुक्त रूप से बोधिका का लोकार्पण किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने पत्रिका की उपयोगिता और इसके शैक्षणिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी चन्दन कुमार द्विवेदी ने कहा कि बोधिका जैसी ई-पत्रिका शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने इसे ज्ञान-विस्तार और नवाचार को बढ़ावा देने वाला प्रभावी मंच बताते हुए कहा कि इस तरह की पहल से शिक्षा की गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार संभव है। वहीं, डॉ. नवनीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह पत्रिका शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को समृद्ध करने में सहायक है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से शिक्षक अपने अनुभवों, प्रयोगों और नवाचारों को साझा कर सकते हैं, जिससे अन्य शिक्षकों को भी सीखने और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में मौजूद अन्य शिक्षाविदों ने भी पत्रिका के नियमित प्रकाशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि ॺबोधिकाॺ जिले में शैक्षिक गतिविधियों को नई दिशा देने के साथ-साथ शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान को मजबूत करेगी। इस अवसर पर राम भजन राम, सुरेन्द्र प्रसाद, विमल कुमार सिंह, मो. इमाम अली अंसारी, डॉ. मृत्युंजय राय, सुगंधा कुमारी, रवि प्रकाश, राजेश कुमार राय, रवि शंकर गुप्ता, संदीप आर्य, सुभाष चौहान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी उपस्थित अधिकारियों और शिक्षाविदों ने इस पहल को जिले की शैक्षिक उन्नति के लिए उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक प्रयासों को निरंतर जारी रखने पर बल दिया।

चौसा स्टेशन पर दर्दनाक हादसा, ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत, देर तक ट्रैक पर पड़ा रहा शव

चौसा। बक्सर, डीडीयू रेलखंड पर शनिवार शाम चौसा रेलवे स्टेशन के पास एक दर्दनाक हादसे में करीब 40 वर्षीय अज्ञात युवक की जान चली गई। घटना प्लेटफॉर्म के समीप अप लाइन पर हुई, जहां तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक अचानक रेलवे ट्रैक पर पहुंच गया, उसी दौरान आ रही ट्रेन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना गंभीर था कि युवक को संभलने का कोई मौका नहीं मिला। घटना के बाद स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों के बीच दहशत फैल गई। घटना की सूचना तत्काल स्टेशन मास्टर द्वारा जीआरपी को दी गई, लेकिन काफी देर तक पुलिस के घटनास्थल पर नहीं पहुंचने से शव ट्रैक पर ही पड़ा रहा। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई और उन्होंने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए। कुछ समय के लिए रेल परिचालन भी प्रभावित रहा, हालांकि बाद में स्थिति को सामान्य किया गया। आसपास मौजूद लोगों ने मृतक की पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन खबर लिखे जाने तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी थी। फिलहाल पुलिस के पहुंचने के बाद आगे की कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन से ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

शादी के दो साल बाद ही उजड़ गया रौशनी का घर

दहेज की बलिवेदी पर चढ़ी एक और नवविवाहिता एफआईआर दर्ज, पति और सास गिरफ्तार

- एक साल के मासूम के सिर से उठा मां का साया
- पुलिस ने शुरू की गहन जांच

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाना क्षेत्र के राजडीहा गांव में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने एक बार फिर दहेज प्रथा की भयावह सच्चाई को उजागर कर दिया है। महज दो साल पहले शुरू हुई वैवाहिक जिंदगी का अंत इतना दर्दनाक होगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। मृतका की पहचान रौशनी कुमारी के रूप में हुई है, जिसकी मौत के बाद परिजनों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका के मायके पक्ष ने इस मौत को सामान्य नहीं मानते हुए दहेज हत्या का मामला बताया है। रौशनी के पिता दारा ठाकुर ने डुमरांव थाने में लिखित आवेदन देकर अपनी बेटी के साथ लंबे समय से हो रही प्रताड़ना और हत्या की आशंका जताई है।

बताया जाता है कि रौशनी की शादी वर्ष 2023 में राजडीहा गांव निवासी अजय ठाकुर के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन धीरे-धीरे दहेज की मांग को लेकर तनाव बढ़ने लगा। मायके पक्ष का आरोप है कि रौशनी को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। कई बार उसे मारपीट का भी सामना करना पड़ा, लेकिन सामाजिक दबाव और रिश्ते को बचाने की कोशिश में वह सब कुछ सहती रही। शनिवार की सुबह करीब 9 बजे रौशनी के पिता को उसकी मौत की सूचना मिली। खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जब वे परिजनों के साथ राजडीहा पहुंचे, तो वहां का माहौल और परिस्थितियां उन्हें संदिग्ध लगीं। उनका आरोप है कि यह कोई सामान्य मौत नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या है।

दारा ठाकुर ने अपने आवेदन में स्पष्ट रूप से आरोप लगाया है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उनके दामाद अजय ठाकुर और उसकी मां शांति देवी ने मिलकर उनकी बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी बेटी अक्सर प्रताड़ना की बात बताती थी, लेकिन हर बार समझौता कर लिया जाता था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। डुमरांव थाना के प्रभारी संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होते ही नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली गई है। पति अजय ठाकुर और सास शांति देवी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि घटना की सच्चाई सामने आ सके।

इस घटना ने एक बार फिर समाज में व्याप्त दहेज प्रथा की कुरीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर जहां सरकार और समाज इस कुप्रथा को खत्म करने के प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसी घटनाएं यह दिखाती हैं कि अभी भी मानसिकता में बदलाव की जरूरत है। रौशनी की मौत ने न सिर्फ एक परिवार को तोड़ दिया, बल्कि उसके एक साल के मासूम बेटे के सिर से मां का साया भी छीन लिया। अब सभी की नजरें पुलिस जांच पर टिकी हैं, ताकि सच सामने आए और दोषियों को सख्त सजा मिल सके।

जनगणना 2027 की तैयारियों की समीक्षा, 13 से 24 अप्रैल तक होगा प्रगणकों का प्रशिक्षण

- 17 अप्रैल से स्वयं गणना पोर्टल के व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्देश, सभी स्तरों पर तैयारियां लगभग पूरी

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी सह प्रधान जनगणना अधिकारी साहिला की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जिला जनगणना समन्वय समिति एवं चार्ज अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना 2027 के सफल संचालन को लेकर अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

इस दौरान जानकारी दी गई कि जनगणना के प्रथम चरण की तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं और अधिकांश प्रशिक्षण कार्य पूरे कर लिए गए हैं। हालांकि प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण अभी शेष है, जिसे सभी चार्ज स्तरों पर 13 अप्रैल से 24 अप्रैल के बीच आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में सभी चार्ज अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम की पूरी तैयारी कर ली गई है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रशिक्षण के दौरान सभी चार्ज अधिकारी स्वयं उपस्थित रहेंगे और प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने प्रशिक्षण को गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया।

बैठक में 17 अप्रैल से शुरू होने वाले स्वयं गणना पोर्टल के प्रचार-प्रसार को लेकर भी विशेष चर्चा की गई। प्रधान जनगणना अधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी चार्ज अधिकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रीय कर्मियों जैसे जीविका समूह के सदस्य, विकास मित्र, आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका तथा जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं के साथ बैठक कर पोर्टल की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाएं।

चार्ज अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश क्षेत्रों में इस दिशा में बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं, जबकि शेष स्थानों पर भी शीघ्र ही बैठकें आयोजित कर ली जाएंगी। जिलाधिकारी ने इस कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया ताकि अधिक से अधिक लोग स्वयं गणना प्रक्रिया से जुड़ सकें।

बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, नजारत उप समाहर्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, गोपनीय शाखा के विशेष कार्य पदाधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डुमरांव में पीसीसी सड़कों पर घोटाले की गूंज : एक ही योजना से दोहरी पेमेंट, बिना टेंडर काम का आरोप

- शिकायत के बाद आर्थिक अपराध इकाई की एंट्री, पूर्व ईओ पर जांच के निर्देश, कई वार्डों में बनी सड़कें छह माह में ही जर्जर

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में पीसीसी सड़क निर्माण कार्यों को लेकर बड़े पैमाने पर अनियमितता और वित्तीय गड़बड़ी के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय निवासी नीलकांत धीरज द्वारा नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव को दी गई लिखित शिकायत ने पूरे मामले को तूल दे दिया है। शिकायत में तत्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) पर पद के दुरुपयोग, नियमों की अनदेखी और सरकारी धन के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार विभागीय दिशा-निर्देशों को दरकिनार करते हुए एक ही योजना को अलग-अलग योजना संख्या देकर भुगतान कराया गया। इतना ही नहीं, बिना निविदा निकाले ही विभागीय स्तर पर निर्माण कार्य कराए गए, जिससे सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचा। आरोप यह भी है कि करीब तीन किलोमीटर लंबी पीसीसी सड़क ऐसे स्थान पर बना दी गई, जहां कोई आबादी ही नहीं है, जिससे कार्य की उपयोगिता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

मामले को और गंभीर बनाते हुए शिकायत में यह भी कहा गया है कि एक ही कनीय अभियंता ने प्राक्कलन तैयार किया, वही अभिकर्ता बना और उसी के द्वारा मापी भी कराई गई, जो स्थापित नियमों का खुला उल्लंघन है। इसके अलावा 24 अगस्त 2023 के विभागीय निर्देशों की अनदेखी करते हुए 1000 से अधिक संचिकाएं खोलकर कार्य कराए जाने का आरोप भी लगाया गया है। शहर के कई वार्डों में बनी सड़कों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए गए हैं। वार्ड 12 में मिशन स्कूल से भोजपुर पोखरा तक बनी सड़क महज छह माह में ही टूटने लगी है। वार्ड 11 के कृष्णा नगर और डीके कॉलेज से नागेंद्र भारती के घर तक की सड़क भी जर्जर हो चुकी है। वार्ड 19 में जंगली शिव मंदिर के पास बिना बस्ती के सड़क निर्माण को संदिग्ध बताया गया है, जबकि वार्ड 28 में पहले से बनी सड़क पर दोबारा पीसीसी करने का आरोप है। वार्ड 16 में भी कई सड़कों के जल्द खराब होने की शिकायत सामने आई है। शिकायतकर्ता ने सभी पीसीसी सड़कों की गुणवत्ता जांच कोर कटर टेस्ट और स्वतंत्र एजेंसी से कराने की मांग की है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों पर कार्रवाई हो। इधर, मामले की गंभीरता को देखते हुए आर्थिक अपराध इकाई, पटना के एसपी ने बक्सर जिलाधिकारी को पत्र भेजकर डुमरांव व बक्सर नगर परिषद के पूर्व ईओ मनीष कुमार पर लगे आरोपों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

चौसा में किशोरियों की सेहत पर फोकस : एचपीवी टीकाकरण के साथ जागरूकता अभियान तेज

केटी न्यूज/चौसा

किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में एचपीवी टीकाकरण के साथ विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग ने न सिर्फ टीकाकरण किया, बल्कि छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने पर भी विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान 16 छात्राओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) का टीका लगाया गया। प्रभारी चिकित्सक डॉ. विमल कुमार चंद्रमणी ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में तेजी से बढ़ने वाली खतरनाक बीमारियों में शामिल है, लेकिन समय पर टीकाकरण और नियमित जांच से इससे काफी हद तक बचाव संभव है। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था में लगाया जाने वाला यह टीका भविष्य में कैंसर के खतरे को कम करने में बेहद प्रभावी साबित होता है। अभियान के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने छात्राओं को कैंसर के शुरूआती लक्षणों, व्यक्तिगत स्वच्छता और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही यह भी बताया गया कि किसी भी बीमारी के लक्षणों को नजरअंदाज न करते हुए समय पर चिकित्सकीय सलाह लेना कितना जरूरी है।

डॉ. चंद्रमणी ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए ऐसे अभियानों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जागरूकता और समय पर उठाए गए कदम ही गंभीर बीमारियों से बचाव का सबसे बड़ा हथियार हैं।

इस मौके पर बीसीएम मंजू कुमार, सीसीएच रसिका कुमारी, अरविंद कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी और आशा कार्यकर्ता मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि इस तरह के अभियानों के माध्यम से अधिक से अधिक किशोरियों तक पहुंच बनाकर उन्हें सुरक्षित और जागरूक किया जा सके।

एक नजर

बालिका शिक्षा को बढ़ावा: ठोरी पांडेयपुर कस्तूरबा विद्यालय में रंगारंग कार्यक्रम

चौगाई। प्रखंड के ठोरी पांडेयपुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में शनिवार को बालिका शिक्षा को समर्पित एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भावनात्मक क्षणों का साक्षी बना, जहां छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत छात्राओं द्वारा प्रस्तुत गीत एवं नृत्य से हुई, जिसने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों में छात्राओं का आत्मविश्वास और रचनात्मकता साफ झलक रही थी। उपस्थित लोगों ने तालियों की गूंज के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान विद्यालय में आठवीं कक्षा की पढ़ाई पूरी कर रही 25 छात्राओं को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। छात्राओं को प्रतीक चिह्न एवं उपहार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विदाई के समय छात्राओं और शिक्षकों के बीच भावनात्मक माहौल बन गया। कई छात्राओं ने मंच से अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया और आगे की पढ़ाई जारी रखने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुरेश प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि कस्तूरबा विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को सशक्त बनाने का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने छात्राओं को निरंतर शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनने और समाज में अपनी अलग पहचान स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुखिया श्रवण कुमार, उप प्रमुख राहुल मेहता, प्रधान शिक्षक सह संचालक अमित केशरी, कृति कुमारी समेत कई शिक्षक, अभिभावक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक रामावतार शास्त्री ने किया।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार पुलिस कर रही सप्लाई चेन की जांच

राजपुर। राजपुर थाना क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता के बीच अवैध हथियार रखने वाले एक व्यक्ति की गिरफ्तारी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं। हरपुर पंचायत के सिसराढ़ गांव से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर बृजकिशोर राम उर्फ किशोरी राम को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक देशी कट्टा और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, सूचना मिली थी कि गांव में एक व्यक्ति संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त है और उसके पास अवैध हथियार मौजूद है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष निवास कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान आरोपी को मौके से दबोच लिया गया।

हालांकि, इस गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस का फोकस सिर्फ आरोपी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जानने पर है कि हथियार की आपूर्ति कहां से हुई और इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि पूरे मामले की कड़ियों को जोड़ा जा सके।

गौरतलब है कि गिरफ्तार व्यक्ति पहले भी शराब तस्करी के मामले में जेल जा चुका है, जिससे उसके आपराधिक इतिहास की पुष्टि होती है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और आगे की जांच जारी है।

ज्ञान भारतम मिशन के तहत पांडुलिपियों के संरक्षण व डिजिटलीकरण पर जोर

- डीएम साहिला की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस, संस्थाओं व व्यक्तियों से पांडुलिपियों की पहचान व अपलोड सुनिश्चित करने का निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को सुरक्षित रखने की दिशा में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पहल ॺज्ञान भारतम मिशनॺ के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को महत्वपूर्ण पहल की गई। जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में सीताराम उपाध्याय संग्रहालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मिशन से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई और इसके सफल संचालन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के अंतर्गत आने वाली सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं–जैसे मठ, मंदिर, शैक्षणिक संस्थान, निजी संगठन, पुस्तकालय आदि–के साथ-साथ उन व्यक्तियों की पहचान की जाए, जिनके पास प्राचीन पांडुलिपियों का संग्रह उपलब्ध है। इन सभी की सूची तैयार कर नियमित रूप से साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी, ताकि कार्य में पारदर्शिता और गति बनी रहे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि पांडुलिपि से आशय उन हस्तलिखित ग्रंथों या पुस्तकों से है, जो कागज, भोजपत्र, ताड़पत्र, कपड़ा या धातु जैसे माध्यमों पर लिखे गए हों और जिनकी आयु कम से कम 75 वर्ष हो। ऐसे दुर्लभ दस्तावेज भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा के अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें संरक्षित करना अत्यंत आवश्यक है।

सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ें और पांडुलिपियों के सर्वेक्षण के लिए उन्हें प्रेरित करें। इसके लिए जागरूक नागरिकों एवं संबंधित संस्थाओं के साथ बैठक आयोजित कर उन्हें मिशन के उद्देश्यों से अवगत कराया जाए। साथ ही, जिनके पास पांडुलिपियां सुरक्षित हैं, उन्हें ॺज्ञान भारतम मोबाइल एपॺ के माध्यम से उनका विवरण अपलोड कराने के लिए प्रेरित किया जाए।

जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रखंड में दो-दो पांडुलिपि सर्वेक्षकों की नियुक्ति की जाए। ये सर्वेक्षक संबंधित संस्थाओं एवं व्यक्तियों से संपर्क कर उनके पास उपलब्ध पांडुलिपियों का विवरण एकत्र करेंगे और उन्हें मोबाइल एप पर अपलोड करेंगे। साथ ही, वे अपने कार्यों की साप्ताहिक रिपोर्ट भी संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराएंगे।

अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर पर तैयार की जाने वाली सूची में संस्था या व्यक्ति का नाम, संस्था के प्रभारी का नाम, ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर, पांडुलिपियों की अनुमानित संख्या और उनकी अवधि का स्पष्ट उल्लेख करना अनिवार्य किया गया है। इसके अलावा, प्रत्येक केंद्र और व्यक्ति के पास उपलब्ध पांडुलिपियों की विस्तृत सूची भी संकलित की जाएगी।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि ॺज्ञान भारतम मिशनॺ के तहत पांडुलिपियां उनके मूल संग्रहकर्ता संस्था या व्यक्ति के पास ही सुरक्षित रहेंगी। सरकार का उद्देश्य केवल इन धरोहरों का संरक्षण और डिजिटलीकरण करना है, ताकि उनमें निहित ज्ञान को अनुसंधान, अनुवाद और प्रकाशन के माध्यम से वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया जा सके।

उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

खुशी : इंदु तपेश्वर महिला कॉलेज के शासी निकाय अध्यक्ष बनें सांसद राजा राम सिंह

- **महाविद्यालय सचिव डॉ.अजय सिंह ने काराकाट सांसद को किया सम्मानित**

केटी न्यूज/नवादा

महाविद्यालय सचिव डॉ.अजय सिंह ने काराकाट सांसद को किया सम्मानित बिक्रमगंज (रोहतास) नगर परिषद,बिक्रमगंज स्थित इन्दु तपेश्वर सिंह महिला महाविद्यालय में काराकाट लोकसभा सांसद राजा राम सिंह शासी निकाय के अध्यक्ष बनें। अवसर महाविद्यालय में सदस्यों ने सचिव डॉ.अजय कुमार सिंह के नेतृत्व फूल माला पहनाते हुए अंगवस्त्र से उनका भव्य स्वागत किया। इसे लेकर शनिवार को महाविद्यालय के प्रधानाचार्य कक्ष में सचिव डॉ. अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में शासी निकाय से जुड़ी एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। जिसमें सर्व सम्मति से काराकाट लोकसभा सांसद राजा राम सिंह को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। अवसर पर पूर्व विधान पार्षद सह महाविद्यालय सचिव डॉ. अजय कुमार सिंह ने उनके सांसद के नाम को प्रस्तावित किया। जिसका महाविद्यालय ने समर्थन किया। मौके पर सभा को संबोधित करते हुए डॉ.अजय सिंह ने कहा कि सांसद राजा राम सिंह के महाविद्यालय में शासी निकाय के अध्यक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और नेतृत्व वाली होगी। जिनके कार्यकाल में पूरे महाविद्यालय परिवार को पूर्व विश्वास है कि महाविद्यालय में विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुशासन के लिए नीतियां और नियम सुदृढ़ होगी। साथ ही बैठक की चर्चा में अधूरी विकास कार्य से जुड़े मुद्दे भी जल्द पूरे होने की संभावना है। जबकि सांसद राजा राम ने कहा कि सरकार के योजनाओं के साथ महिला महाविद्यालय में शिक्षण और विकास कार्य को एक नया आयाम देने हर संभव प्रयास करूंगा। जिसे लेकर सरकार और कॉलेज प्रबंधन के साथ एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिए संकल्पित रहेंगे। ताकि बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र का एकमात्र ऐतिहासिक महिला कॉलेज का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सकें। मौके पर प्राचार्य डॉ. बिनोद कुमार सिंह, उप प्राचार्य डॉ. उमेश्वर प्रसाद सिंह, प्रो. माधुरी सिंह, डॉ.अलाउद्दीन अजीजी, प्रो.डॉ. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. इंदल सिंह शिक्षक प्रतिनिधि सहित समस्त महाविद्यालय के शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाई, लापरवाही पर तीन राजस्व कर्मचारी निलंबित, अंचलाधिकारी पर भी विभागीय जांच

एजेंसी। पटना

बिहार के अररिया जिले में राजस्व कार्यों में लापरवाही और अनियमितताओं को लेकर प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। जिलाधिकारी विनोद दूहन के आदेश पर तीन राजस्व कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि नरपतगंज अंचलाधिकारी के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है। बिहार के अररिया जिले में राजस्व कार्यों में लापरवाही और अनियमितताओं को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। जिलाधिकारी विनोद दूहन के निर्देश पर तीन राजस्व कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, जबकि नरपतगंज के अंचलाधिकारी के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिलाधिकारी के आदेश पर फारबिसगंज अंचल के विकास कुमार मंडल और राजेश कुमार शशि के साथ-साथ नरपतगंज अंचल की रेणु कुमारी को निलंबित किया गया है। इन सभी पर बिहार भूमि दाखिल-खारिज अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन और कार्यों में गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं। यह कार्रवाई बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के तहत की गई है। एजांच में सामने आया कि विकास कुमार मंडल के लॉगिन में परिमार्जन प्लस और दाखिल-खारिज के सैकड़ों मामले लंबित थे, जिससे राजस्व कार्य प्रभावित हो रहे थे। वहीं, राजेश कुमार शशि के पास भी बड़ी संख्या में मामले पेंडिंग पाए गए और समय पर जांच व रिपोर्ट नहीं देने की बात सामने आई। सबसे गंभीर मामला नरपतगंज अंचल की राजस्व कर्मचारी रेणु कुमारी का पाया गया। जांच के दौरान अवैध राशि मांगने का वीडियो सामने आया। इसके अलावा बिना विधिसम्मत प्रक्रिया के जमाबंदी सृजित करने जैसी अनियमितताएं भी सामने आई हैं। जिलाधिकारी ने तीनों कर्मचारियों के खिलाफ प्रपत्र ह्यकह्ण में आरोप पत्र गठित करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही नरपतगंज अंचलाधिकारी के खिलाफ भी प्रपत्र 'क' के तहत विभागीय कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया गया है। प्रशासन की इस कार्रवाई को जिले में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि आगे भी लापरवाही और भ्रष्टाचार के मामलों में इसी तरह कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

लंबित मामलों से प्रभावित हो रहे थे राजस्व कार्य

जांच में सामने आया कि विकास कुमार मंडल के लॉगिन में परिमार्जन प्लस और दाखिल-खारिज के सैकड़ों मामले लंबित थे, जिससे राजस्व कार्य प्रभावित हो रहे थे। वहीं, राजेश कुमार शशि के पास भी बड़ी संख्या में मामले पेंडिंग पाए गए और समय पर जांच व रिपोर्ट नहीं देने की बात सामने आई।

वीडियो में अवैध वसूली का मामला उजागर

सबसे गंभीर मामला नरपतगंज अंचल की राजस्व कर्मचारी रेणु कुमारी का पाया गया। जांच के दौरान अवैध राशि मांगने का वीडियो सामने आया। इसके अलावा बिना विधिसम्मत प्रक्रिया के जमाबंदी सृजित करने जैसी अनियमितताएं भी सामने आई हैं।

अंचलाधिकारी पर भी गिरी गाज

जिलाधिकारी ने तीनों कर्मचारियों के खिलाफ प्रपत्र ह्यकह्ण में आरोप पत्र गठित करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही नरपतगंज अंचलाधिकारी के खिलाफ भी प्रपत्र ह्यकह्ण के तहत विभागीय कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया गया है। प्रशासन की इस कार्रवाई को जिले में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि आगे भी लापरवाही और भ्रष्टाचार के मामलों में इसी तरह कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

सड़क हादसे में ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की मौत, पति जख्मी

केटी न्यूज/नवादा

जिला क्षेत्र के राजगीर-हिसुआ हाईवे पर भुलान बिगहा समीप एक तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार दंपत्ति को बेरहमी से रौंद दिया। इस दर्दनाक हादसे में पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है। मृतक की पहचान शारदा देवी के रूप में हुई है, जो अपने पति कृष्ण देव चौहान के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर राजगीर की ओर से अपने घर भोला बिगहा जा रही थीं। जैसे ही वे भुलान बिगहा के पास पहुंचे, एक अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। मृतक शारदा देवी घटनास्थल पर ही दम तोड़ा दी पति कृष्ण देव चौहान गंभीर स्थिति में नवादा सदर अस्पताल किया गया। जो राजगीर रोड हाईवे, भुलान बिगहा के पास प्रशासन की लापरवाही पर फूटा आक्रोश इस घटना ने स्थानीय ग्रामीणों और

समाजसेवियों के बीच भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। बताया जा रहा है कि यह सड़क अब 'डेथ जोन' बनती जा रही है। जिसे लेकर लोगों द्वारा बराबर जनता दरबार में गुहार लगाई जा रही है। लेकिन प्रशासन मौन साधे हुए है। वार्ड पार्षद और समाजसेवी ने कहा कि उन्होंने जिला अधिकारी डीएम के जनता दरबार में लिखित रूप से इस स्पॉट पर स्पीड ब्रेकर पर गति अवरोधक लगवाने की मांग की थी। लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। चौंकाने वाले आंकड़े ग्रामीणों के अनुसार, विगत कुछ महीनों में नवंबर माह से अबतक में इस मुख्य सड़क पर 50 से अधिक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इसके बावजूद प्रशासन सुरक्षा बनाने में असफल रहा है, जिसका खामियाजा एक परिवार को अपनी जान गंवाकर भुगतना पड़ा।

भोजपुर डीएम ने में स्वास्थ्य योजना एवं अपशिष्ट प्रबंधन पर की समीक्षा बैठक

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर डीएम तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं एवं जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति की समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में जिले के सभी प्रखंडों में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी प्रखंड स्वास्थ्य संबंधी कार्यों को ऑनलाइन ह्लटक्र पोर्टल पर समय पर अद्यतन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों को एवं एजेटी में राज्य औसत से बेहतर प्रदर्शन करने हेतु निर्देशित किया। समीक्षा के दौरान सीएचसी कोईलवर,चरपोखरी एवं जगदीशपुर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को औसत प्रतीक्षा समय में सुधार कर इसे राज्य औसत से कम करने का निर्देश दिया गया। वहीं सीएचसी

तरारी को योजना में उपलब्धि बढ़ाने तथा उदवंतनगर प्रखंड को पूर्ण टीकाकरण में सुधार लाने हेतु आवश्यक कदम उठाने को कहा गया। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन स्वास्थ्य संस्थानों में एक्स-रे मशीन हेतु कक्ष की कमी के कारण सेवाएं बाधित हैं, वहां शीघ्र कक्ष निर्माण का प्रस्ताव जिला स्वास्थ्य समिति के माध्यम से उपलब्ध कराया जाए। जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा करते हुए जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राधिकरण प्राप्त किए बिना संचालित अस्पतालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही पटना को अपने बी एम डब्ल्यू कलेक्शन वाहनों की गाड़ी संख्या एवं रूट चार्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। ताकि उन्हें नो-एंट्री क्षेत्रों में परमिट प्रदान कर जैव चिकित्सा अपशिष्ट का समयबद्ध एवं सुगम उठाव सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में सिविल सर्जन भोजपुर, सहित स्वास्थ्य विभाग के सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

बिजली विभाग के जनसुनवाई के में सात मामलों का निष्पादन

शाहपुर। विद्युत उपभोक्ताओं के विद्युत विपत्र एवं अन्य विद्युत संबंधित शिकायतों के निवारण हेतू अप्रैल से प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को पूर्वाहन 11 बजे से अपराह्न 2 बजे तक विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। इसी के तहत शाहपुर विद्युत उप केंद्र एवं करनामेपुर विद्युत केन्द्र मे विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शाहपुर विद्युत उप केंद्र के कार्यालय मे सात लोगों ने अपनी फरियाद रखी। शाहपुर विद्युत उप केंद्र के कनीय विद्युत अभियंता नीतीश कुमार ने बताया कि सात लोगों की शिकायतों का निष्पादन कर दिया गया। करनामेपुर विद्युत उप केंद्र कार्यालय मे हिरखी पिपरा तथा ईश्वरपुरा का बिजली बिल मे सुधार का दो मामला आया। करनामेपुर विद्युत उप केंद्र के कनीय विद्युत अभियंता पवन कुमार ने बताया कि विद्युत विपत्र में सुधार के लिए बिहिया विद्युत कार्यालय भेजा जायेगा।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में लोगों की उमड़ी भीड़, चश्मा हुआ वितरण

बिक्रमगंज। समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग,बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में बिक्रमगंज प्रखंड स्थित बिक्रमगंज ब्लॉक में निःशुल्क नेत्र जांच एवं मुफ्त चश्मा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष शिविर 6 अप्रैल से 5 जून 2026 तक संचालित है। इस अवधि में सभी आयु वर्ग के महिला,पुरुष एवं बच्चे अपनी आंखों की जांच करवा सकते हैं। साथ ही आवश्यकता अनुसार उन्हें निःशुल्क चश्मा उपलब्ध कराया जा सकें। इस शिविर के आलोक में आम नागरिकों से अपील किया गया कि वह अपने नजदीकी बुनियाद केंद्र बिक्रमगंज ब्लॉक पर पहुंचकर इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं एवं अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों को भी इसके प्रति जागरूक करें। साथ ही सभी संबंधित विभागों से अनुरोध किया गया है कि वह इस जनहितकारी शिविर कार्यक्रम को लोगों तक व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार के माध्यम से सक्रिय होकर सहयोग प्रदान करें। ताकि असहाय लाभुक इससे लाभान्वित हो सके।

रोहतास : डीईओ ने निजी स्कूलों को मनमानी फीस वसूली पर जारी किया सख्त आदेश

सासाराम । रोहतास जिले में निजी विद्यालयों की मनमानी पर अब लगाम कसने की तैयारी शुरू हो गई है। जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा जारी कार्यालय आदेश में साफ निर्देश दिया गया है कि निजी स्कूल नामांकन,री-एडमिशन, पोशाक, किताबें और अन्य मदों में मनमाने तरीके से शुल्क वसूली नहीं कर सकते। जारी आदेश के अनुसार, बिहार निजी विद्यालय से जुड़े शुल्क विनियमन अधिनियम, 2019 के तहत सभी निजी विद्यालयों को अपनी फीस संरचना पूरी तरह पारदर्शी बनानी होगी। विद्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे प्रवेश शुल्क, मासिक शुल्क, वार्षिक शुल्क, विकास शुल्क, परिवहन शुल्क सहित सभी खर्चों का पूरा विवरण अपने नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर सार्वजनिक करें। इसके साथ ही स्कूल प्रबंधन को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किताबें, ड्रेस या अन्य सामग्री किसी एक निर्धारित दुकान से खरीदने के लिए अभिभावकों पर दबाव न बनाया जाए। साथ ही छात्रों के अभिभावक अपनी सुविधा के अनुसार कहीं से भी शिक्षण सामग्री खरीद सकते हैं।

तकिया फीडर में लाइन स्ट्रिंगिंग कार्य हेतु विद्युत आपूर्ति होगी बाधित

सासाराम। विद्युत आपूर्ति प्रणाली के सुदृढ़ीकरण एवं बेहतर सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से 11 केवी तकिया फीडर में आवश्यक लाइन स्ट्रिंगिंग कार्य किया जाना प्रस्तावित है। इस कार्य के निष्पादन के लिए दिनांक 12 अप्रैल को संबंधित फीडर की विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित रहेगी। सहायक विद्युत अभियंता सासाराम (शहरी) रंजन कुमार ने बताया की उक्त कार्य को सुचारू रूप से संपन्न करने हेतु 12 अप्रैल 2026 को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक 11 केवी तकिया फीडर से जुड़े क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। विभाग द्वारा उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि इस अवधि के दौरान आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर लें तथा सहयोग प्रदान करें, ताकि कार्य को निर्धारित समय में पूर्ण किया जा सके और भविष्य में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

रोहतास जिले में पुलिस पदाधिकारियों में हुआ फेरबदल, 19 का हुआ तबादला

सासाराम। जिला आदेश संख्या 58.5/2026 के तहत रोहतास पुलिस बल में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया गया है। जारी आदेश के अनुसार 19 पुलिस पदाधिकारियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण एवं नई पदस्थापना की गई है। इस प्रशासनिक बदलाव का उद्देश्य विधि-व्यवस्था को और सुदृढ़ करना बताया जा रहा है। जारी सूची के अनुसार पु.नि. रविभूषण कुमार को अंचल निरीक्षक डिहरी से नासरीगंज, पु.नि. शेर सिंह यादव को बिक्रमगंज से डिहरी अंचल निरीक्षक बनाया गया है। जबकि पु.नि. प्रमोद कुमार को साइबर थाना डिहरी से अंचल निरीक्षक नोखा भेजा गया है। वहीं पु.नि राहुल को जिला आसूचना इकाई से डिहरी नगर थाना का थानाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा पुनि.राजीव रंजन राय को सासाराम नगर थाना से डालमियानगर थाना,जबकि पु.नि. शिवेंद्र कुमार को डिहरी नगर थाना से सासाराम नगर थाना का प्रभार दिया गया है। पुनि. रंजन कुमार को चेनारी से बिक्रमगंज थाना और पु.नि. बिनय कुमार को दिनारा से यातायात थाना में पदस्थापित किया गया है। थानाध्यक्ष दिनेश मालाकार को नोखा से चेनारी, तथा पु.नि. धर्मेंद्र प्रसाद को अगरेर से दिनारा थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं पुनि.ललन कुमार को बिक्रमगंज से रोहतास थाना और पु.नि. अनुज कुमार सिंह को अंचल निरीक्षक नोखा से नोखा थाना का थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

एसडीएम ने अधिकारियों साथ आग लगे खेतों का किया निरीक्षण, दिया सख्त निर्देश

एसडीएम प्रभात कुमार का सख्त संदेश

एक छोटी सी चिंगारी,किसानों की पूरी मेहनत को खाक कर देती है । अब लापरवाही बिल्कुल नहीं चलेगी । जो भी सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करेगा,उसके खिलाफ कार्रवाई होगी । निरीक्षण के दौरान बेलवैया के समीप एक रीपर मशीन को तुरंत बंद कराया गया,जहां नियमों की अनदेखी हो रही थी। यह कार्रवाई प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति को दशार्ती है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि कटाई के दौरान पूरी सतर्कता बरतें,मशीनों की नियमित जांच करें और आग से बचाव के जरूरी उपाय अपनाएं।

केटी न्यूज रोहतास

प्रखंड क्षेत्र के बकरा गांव में किसानों के लिए किसी भयावह सपने से कम नहीं रहा। लहलहाती हुए पक्के तैयार गेहूं की फसल जिसे काटने की तैयारी चल रही थी, तभी अचानक उठी आग की लपटों में समा गई। जो देखते ही देखते करीब 13 बीघा में लगे फसल खेत में धूधू कर जल उठा। यह आग सिर्फ फसल ही नहीं जलाई,बल्कि किसानों की उम्मीदें,मेहनत और पूरे सीजन की कमाई को भी निगल गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम प्रभात कुमार

खुद मौके पर पहुंचे। उनके साथ प्रशासनिक टीम बीडीओ, बीएओ और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे । अधिकारियों ने जले हुए खेतों का निरीक्षण किया और किसानों से पूरी जानकारी ली। मौके पर एसडीएम का तेवर बेहद सख्त दिखा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि खेतों में हार्वेस्टर और रीपर जैसी मशीनों का असावधानी से इस्तेमाल ही इस तरह की घटनाओं की बड़ी वजह बन रहा है ।

अवैध : निमाणार्धीन सीमेंट कंपनी से लेकर थाना चौक तक नप का चला बुलडोजर

केटी न्यूज/नवादा

जिले के वारिसलीगंज नगर के औधोगिक प्रक्षेत्र में अदाणी समूह का निमार्णाधीन सीमेंट फैक्ट्री गेट से थाना चौक,बाईपास के शहीद चंदन सिंह चौक और मुड़लाचक तीन मुहानी तक शुक्रवार को अतिक्रमणकारियो के विरुद्ध नप का बुलडोजर चलाया गया।बता दे की निमार्णाधीन सीमेंट फैक्ट्री का कार्य जोर-शोर से चल रहा है।जिसके लिए बड़ी-बड़ी मशीन बड़े-बड़े वाहनों से फैक्ट्री में लाया जा रहा है।वही शहीद चंदन सिंह चौक से सीमेंट फैक्ट्री तक और मुडलाचक तीन मुहानी से थाना चौक होते सीमेंट फैक्ट्री तक सड़क अतिक्रमण के कारण सकरी हो गई है। जिस कारण बड़े वाहनों को सीमेंट फैक्ट्री में प्रवेश करने के लिए रात का इंतजार करना पड़ता था। एक

सप्ताह पहले सदर एसडीओ द्वारा अतिक्रमण का स्थल निरीक्षण किया गया तथा अतिक्रमण हटा लेने को कहा गया था।बावजूद लोगो द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया था। जिसे शुक्रवार को अधिकारियों द्वारा बुलडोजर के माध्यम से हटा दिया गया।इस संबंध में नगर कार्यपालक अधिकारी समीर कुमार ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर सीमेंट फैक्ट्री से थाना चौक, बाइपास के चंदन सिंह चौक, और मुड़लाचक तीन मुहानी तक अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की गई। जिसमें सड़क किनारे झोपड़ीनुमा घर बना कर रह रहे अनुसूचित समुदाय के सफाई कर्मियों के कुछ परिवारों को नियत स्थान पर जाने का निर्देश देते हुए उनका झोपड़ी ध्वस्त कर दिया गया। जबकि सड़क किनारे अवैध निर्माण को हटा दिया गया है। बताया कि थाना चौक पर सबसे अधिक परेशानी वाहनों को मुड़ने में होती है। जिसके लिए जमीन मापी करवाकर अतिक्रमण हटवाया जाएगा।

दो दिन पहले ही लिया है राज्यसभा सदस्य पद की शपथ

इस्तीफा से पहले ही मुख्यमंत्री आवास खाली करने लगे नीतीश

- 7 सर्कुलर रोड नया ठिकाना और मजबूत आवास

एजेंसी। पटना

बिहार की राजनीति में इन दिनों हलचल अपने चरम पर है। नीतीश कुमार के हालिया कदमों ने सियासी अटकलों को और तेज कर दिया है। राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ लेने के बाद अब उन्होंने मुख्यमंत्री आवास छोड़ने का मन बना लिया है। जानकारी के मुताबिक, वे पटना स्थित 1 अणे मार्ग के सरकारी आवास को खाली कर 7 सर्कुलर रोड स्थित आवास में शिफ्ट हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री आवास से सामान शिफ्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। शुरूआती चरण में फर्नीचर और अन्य जरूरी सामान को ट्रैक्टर के माध्यम से 7 सर्कुलर रोड ले जाया जा रहा है। यह गतिविधि इस ओर स्पष्ट संकेत देती है कि नीतीश कुमार जल्द ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। राजनीतिक सूत्रों की मानें तो नीतीश कुमार 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसके बाद 15 अप्रैल को बिहार में नई सरकार के गठन की संभावना जताई जा रही है। पिछले डेढ़ महीने से जारी राजनीतिक उठापटक अब अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इस्तीफे की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जिस तरह से सीएम आवास खाली किया जा रहा है, उससे यह लगभग तय माना जा रहा है कि सत्ता परिवर्तन होने वाला है। एनडीए की सरकार बनने की चर्चा पहले से ही चल रही है, वहीं विपक्ष भी अपनी रणनीति बनाने में जुटा हुआ है। नीतीश कुमार जिस 7 सर्कुलर रोड आवास में शिफ्ट हो रहे हैं, वह पहले से ही उनके उपयोग में रहा है। फिलहाल इसे मुख्यमंत्री कार्यालय के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। इस बंगले की खास बात यह है कि इसे खुद नीतीश कुमार की देखरेख में बनवाया गया है। यह आवास आधुनिक सुविधाओं से लैस है और इसे भूकंपरोधी तकनीक से तैयार किया गया है, जिससे यह तेज झटकों को भी सहन कर सकता है। इसके अलावा, इसके विशाल लॉन में खास तौर पर कोलकाता से मंगाई गई घास लगाई गई है, जो इसे और आकर्षक बनाती है। मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद नीतीश कुमार का राजनीतिक और निजी ठिकाना भी चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, वे 7 सर्कुलर रोड में रहने के बाद लालू प्रसाद यादव के पड़ोसी बन जाएंगे। हालांकि वे राज्यसभा सांसद के रूप में दिल्ली भी जाएंगे, लेकिन बिहार में अपनी मौजूदगी बनाए रखेंगे। यह संकेत देता है कि वे पूरी तरह से राज्य की राजनीति से दूर नहीं होने वाले हैं। नीतीश कुमार के इस कदम को बिहार की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। नीतीश कुमार जिस दिन इस्तीफा देते हैं, उसके अगले दिन राज्य में नई सरकार का गठन तय माना जा रहा है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। फिलहाल, बिहार की राजनीति में हर दिन नए घटनाक्रम सामने आ रहे हैं और आने वाले कुछ दिन बेहद अहम माने जा रहे हैं।

बिहार में बैंक घोटाले का बड़ा खेल : फर्जी कागजों पर करोड़ों का लोन पास, असिस्टेंट मैनेजर समेत मास्टरमाइंड गिरफ्तार

फर्जी दस्तावेजों के सहारे करीब 2 करोड़ रुपये का लोन पास कर सरकारी खजाने को लगाया चूना

एजेंसी। पटना

बिहार के दरभंगा जिले से सरकारी योजनाओं के नाम पर किए जा रहे एक बड़े बैंक घोटाले का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। इस मामले में साइबर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के असिस्टेंट मैनेजर रवि राघवेंद्र और गिरोह के मास्टरमाइंड विपिन पासवान को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे करीब 2 करोड़ रुपये का लोन पास कर सरकारी खजाने को चूना लगाया। इस घोटाले का पदार्फाश तब हुआ जब एक स्थानीय व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उसके नाम पर 18 लाख रुपये का लोन स्वीकृत किया गया है, जबकि उसने इसके लिए कभी आवेदन ही नहीं किया था। इस शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई और जब जांच शुरू हुई तो पूरे खेल का चौंकाने वाला सच सामने आने लगा। पुलिस की शुरूआती जांच में पता चला कि यह कोई साधारण धोखाधड़ी नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश थी। आरोपियों ने एक संगठित गिरोह बनाकर सरकारी योजनाओं का दुरुपयोग किया। खासतौर पर प्रधानमंत्री खाद्य प्रसंस्करण योजना (PMFME) जैसी योजनाओं को निशाना बनाया गया। गिरोह नकली दुकानों और फर्जी व्यवसायों के नाम पर दस्तावेज तैयार करता था, जिसमें मिठाई की दुकान, लेदर फैक्ट्री जैसे कारोबार दिखाए जाते थे। इसके बाद बैंक के अंदर बैठे आरोपी अधिकारियों की मिलीभगत से इन फर्जी कागजातों पर बिना किसी भौतिक सत्यापन के लोन स्वीकृत कर दिया जाता था। आरोप है कि असिस्टेंट मैनेजर ने फर्जी फील्ड रिपोर्ट लगाकर इन आवेदनों को मंजूरी दी। लोन की पूरी राशि सीधे मास्टरमाइंड विपिन पासवान के विपिन एंटरप्राइजेज नामक खाते में ट्रांसफर की जाती थी, जहां से इसे आपस में बांट लिया जाता था। पुलिस ने अब तक 14 ऐसे फर्जी खातों की पहचान की है, जिनके जरिए इस पूरे घोटाले को अंजाम दिया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि इस नेटवर्क के तार अन्य विभागों से भी जुड़े हो सकते हैं। उद्योग विभाग का एक कर्मी कृष्णा पासवान और बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक रविश चंद्रा का नाम भी इस साजिश में सामने आया है। हालांकि, ये दोनों फिलहाल फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों से बड़ी मात्रा में जाली दस्तावेज, फर्जी बैंक मोहरें, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य बरामद किए हैं। इन सबूतों के आधार पर पुलिस अब पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। साइबर डीएसपी विपिन बिहारी ने बताया कि यह एक गंभीर वित्तीय अपराध है, जिसमें न सिर्फ सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है, बल्कि आम लोगों के दस्तावेजों का भी गलत इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस को आशंका है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, इस घोटाले की रकम और भी बढ़ सकती है और कई बड़े नाम सामने आ सकते हैं। फिलहाल इस खुलासे के बाद बैंकिंग सिस्टम और सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं।

बेगूसराय में छापेमारी के दौरान बम ब्लास्ट 3 पुलिसकर्मी घायल, एक आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

बेगूसराय जिले के नावकोठी थाना क्षेत्र अंतर्गत वृंदावन गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब दरभंगा लूट कांड के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे सर्च अभियान के दौरान अचानक बम ब्लास्ट हो गया। इस घटना में 3 पुलिसकर्मी मामूली रूप से घायल हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, दरभंगा पुलिस और बेगूसराय पुलिस की संयुक्त टीम लूट कांड के नामजद आरोपियों की तलाश में वृंदावन गांव में छापेमारी करने पहुंची थी। इसी दौरान बदमाशों के ठिकाने पर पहले से रखा गया बम जैसा विस्फोटक अचानक फट गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही लूटे गए जेवरात की बरामदगी की भी सूचना सामने आ रही है। घटना की सूचना मिलते ही बेगूसराय के एसपी मनीष खुद मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे इलाके को चारों तरफ से सील कर दिया गया है और सघन तलाशी अभियान जारी है। एसपी मनीष ने बताया कि दरभंगा लूट कांड और एक्सिस बैंक लूट मामले के आरोपी यहां छिपे होने की सूचना मिली थी। इसी आधार पर संयुक्त कार्रवाई की गई। सर्च के दौरान पहले से रखा बम जैसा सामान ब्लास्ट कर गया, जिसमें 2 से 3 पुलिसकर्मी हल्के रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को नावकोठी पीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। स्थिति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर एफएसएल टीम को बुलाया गया है और सभी बिंदुओं पर गहन जांच की जा रही है। साथ ही आम लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई है। घटना के बाद कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है।

पटना में लूट गिरोह का भंडाफोड़: 5 गिरफ्तार, हथियार और कैश बरामद

एजेंसी। पटना

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल और आसपास के थाना क्षेत्रों में लगातार हो रही लूट की घटनाओं का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने पिपलावां, बिक्रम, पियरपुरा और पालीगंज थाना क्षेत्रों में हथियार के बल पर लूट करने वाले एक संगठित गिरोह को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ ही लूट में इस्तेमाल किए गए अवैध हथियार, नकदी और अन्य सामान भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह सुनसान इलाकों और ग्राहक सेवा केंद्र (सीएससी) संचालकों को निशाना बनाकर लूट की वारदातों को अंजाम देता था। अलग-अलग तारीखों में हुई चार बड़ी लूट की घटनाओं ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी थी। हर वारदात में अपराधी बाइक पर सवार होकर आते थे और पिस्तौल के बल पर लूटपाट कर फरार हो जाते थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी), पटना के निर्देश पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। इस टीम में पालीगंज और फुलवारीशरीफ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, संबंधित थानों के थानाध्यक्ष और तकनीकी शाखा को शामिल किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से गिरोह के एक सदस्य आरव सिंह उर्फ चोखा को गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ के बाद पूरे गिरोह का खुलासा हुआ, जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अन्य चार अपराधियों को भी पकड़ लिया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से 2 देशी पिस्टल, 1 देशी कट्टा, 16 जिंदा कारतूस और 3 खोखा बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 2 लाख रुपये से अधिक की नकदी, दो मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, बैंक दस्तावेज, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य सामान भी जब्त किया गया है। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और सुनियोजित तरीके से लूट की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। अवैध हथियारों की बरामदगी के मामले में अलग से प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक नजर

पटना: जेल में अचानक बिगड़ी महिला कैदी की तबीयत इलाज के दौरान मौत, सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल

पटना। राजधानी पटना से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां न्यायिक हिरासत में बंद एक महिला कैदी की इलाज के दौरान मौत हो गई। बाढ़ अनुमंडल के मोकामा थाना क्षेत्र से जुड़े इस मामले ने जेल प्रशासन और स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, शाहबेगपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प और डबल मर्डर केस में सात लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। इसी मामले में अप्राथमिकी अभियुक्त के तौर पर बूधो देवी को भी जेल भेजा गया था। बताया जा रहा है कि बीते दिन सुबह अचानक बूधो देवी की तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने जेल प्रशासन से अपनी तबीयत खराब होने की शिकायत की। इसके बाद जेल प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें तुरंत बाढ़ अनुमंडल अस्पताल में इलाज के लिए भेजा। हालांकि, अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। पटना में इलाज के दौरान ही बूधो देवी ने दम तोड़ दिया। उनकी मौत की खबर मिलते ही पूरे मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जेल प्रशासन का कहना है कि जैसे ही कैदी ने तबीयत खराब होने की सूचना दी, तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे अस्पताल भेजा गया था। अधिकारियों के मुताबिक, इलाज में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती गई है।

थाने का प्राइवेट मुंशी 14 हजार घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार, निगरानी की बड़ी कार्रवाई

पटना। आदापुर थाना में काम करने वाले प्राइवेट मुंशी को निगरानी ने रिश्वत लेते किया गिरफ्तार रक्सौल आदापुर थाना में प्राइवेट तौर पर मुंशी का काम कर रहे एक व्यक्ति को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के मुख्यालय की टीम के द्वारा पुलिस पदाधिकारी के नाम पर रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है. इस मामले में आदापुर थाना पर प्राइवेट मुंशी का काम करने वाले आदापुर निवासी इंतकाब आलम को आदापुर जमुनभार से उस वक्त गिरफ्तार कर लिया गया, जब वह परिवादी मो. आफताब अंसारी से हथियार लाईसेंस के आवेदन का सत्यापन कराने के नाम पर रिश्वत ले रहा था. इस मामले को लेकर आदापुर थाना क्षेत्र के बखरी गांव निवासी आफताब अंसारी के द्वारा निगरानी अन्वेषण ब्यूरो पटना में शिकायत दर्ज की गई थी. जिसके आलोक में निगरानी थाना कांड संख्या 042/2026 दर्ज करते हुए आदापुर थाना के प्राइवेट मुंशी इंतकाब आलम के बताए हुए जगह पर निगरानी की टीम पहले से तैनात थी और जैसे ही आफताब आलम ने उसे पैसा दिया, उसे गिरफ्तार कर लिया गया. आफताब अंसारी ने निगरानी थाना में इस बात को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी कि आरोपी इंतकाब आलम (जो आदापुर थाना के मुंशी है) के द्वारा हथियार के लाईसेंस के आवेदन को थानाध्यक्ष द्वारा सत्यापन कराने एवं सत्यापनोपरांत उनको रुपए देने के नाम पर रिश्वत की मांग की जा रही.

मोतिहारी में पैक्स घोटाले का खुलासा छापेमारी में कालाबाजारी के संकेत

मोतिहारी। मोतिहारी में पैक्स से जुड़ी कालाबाजारी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिससे प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) निशांत सिहारा को गुप्त सूचना मिली थी कि सदर प्रखंड के बासमनपुर पैक्स अध्यक्ष द्वारा नियमों की अनदेखी कर अनियमितताएं की जा रही हैं। आरोप है कि किसानों से धान खरीदने के बजाय खुले बाजार से चावल खरीदकर उसे सरकारी एजेंसी को सप्लाई किया जा रहा था। सूचना मिलते ही एसडीओ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कार्यपालक दंडाधिकारी अब्दुल कयूम के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर छापेमारी का निर्देश दिया। जब टीम गोदाम पहुंची, उससे पहले ही एक संदिग्ध ट्रक वहां से हटा लिया गया था, जिससे पूरे मामले में संलिप्त लोगों की सक्रियता का अंदेशा जताया जा रहा है। हालांकि छापेमारी के दौरान गोदाम से चावल के बोरे और अन्य संदिग्ध सामग्रियों के सैंपल जब्त किए गए हैं। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि पैक्स अध्यक्ष मनीष यादव खुले बाजार से चावल खरीदकर उसे बिहार स्टेट फूड एंड सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन (इरत्रः) के बोरे में पैक कर आपूर्ति कर रहे थे, जो कि सरकारी नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। नियमों के अनुसार, पैक्स का मुख्य उद्देश्य किसानों से धान खरीदकर उसे सरकारी एजेंसियों को उपलब्ध कराना होता है। इस मामले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं कि इतनी बड़ी गड़बड़ी लंबे समय तक कैसे चलती रही। आशंका जताई जा रही है कि इस पूरे प्रकरण में केवल पैक्स अध्यक्ष ही नहीं, बल्कि कुछ जिम्मेदार अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। प्रशासन ने इस पहलू पर भी जांच शुरू कर दी है। एसडीओ निशांत सिहारा ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच कराई जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है और लोग मामले पर नजर बनाए हुए हैं।

खेत से घर लौट रहे होमगार्ड जवान को अज्ञात वाहन ने रौंदा, अस्पताल ले जाते समय हुई मौत

सहरसा। सहरसा से एक बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां जिले के सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में एक होमगार्ड जवान की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा रंगीनियां शिव मंदिर के पास उस समय हुआ जब जवान बाइक से खेत का काम खत्म कर घर लौट रहे थे। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 36 वर्षीय भवेश कुमार, पिता कैलु यादव, निवासी पहाड़पुर गांव के रूप में हुई है। वे पिछले लगभग पांच वर्षों से सोनबरसा कचहरी थाना में गृह रक्षक (होमगार्ड) के पद पर तैनात थे और अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे थे। रोज की तरह घटना वाले दिन भी वे अपनी ड्यूटी और घरेलू जिम्मेदारियों को पूरा करने के बाद खेत में गेहूं का भूसा समेटने गए थे।

चार दिन में छह डिग्री तक बढ़ेगी दिन में गर्मी, बारिश के आसार नहीं

एजेंसी। पटना

मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि तेज धूप और बढ़ती गर्मी को देखते हुए दोपहर में बाहर निकलने से बचें। तेज हवाओं के दौरान खुले स्थानों से दूर रहें। साफ मौसम और बढ़ते तापमान के चलते हीट से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। अब बिहार का मौसम शुष्क हो गया है। कहीं भी बारिश नहीं हुई है। शनिवार सुबह से कई जिलों में तेज धूप के कारण गर्मी बढ़ने लगी है। हालांकि, पटना और अरवल जिलों में अधिकतम 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं, जिससे सुबह में मौसम में हल्की ठंडक का अहसास हुआ। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 3-4 दिनों में राज्य के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 4 से 6 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। वहीं न्यूनतम तापमान में भी अगले 2-3 दिनों में 2 से 4 डिग्री की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है।पूर्वानुमान के अनुसार अगले 1-2 दिनों के दौरान राज्य के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिनकी गति 40 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

पिछले 24 घंटे में कहां कैसा मौसम रहा?

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य का अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस से 37.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सबसे अधिक तापमान 37.0 डिग्री सेल्सियस मोतीहारी में दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस से 23.1 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जिसमें सबसे कम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस वाल्मीकिनगर में रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम और न्यूनतम तापमान में पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के अधिकांश हिस्सों में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है।

पटना का मौसम कैसा रहेगा?

राजधानी पटना में आने वाले दिनों में गर्मी लगातार बढ़ने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार 11 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक मौसम साफ रहने की संभावना है, जिससे तापमान में तेजी से वृद्धि होगी। पूर्वानुमान के मुताबिक, 11 अप्रैल को अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इसके बाद 12 अप्रैल को तापमान बढ़कर 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। 13 और 14 अप्रैल को भी तापमान 36-37 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा, जबकि 15 अप्रैल को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। पूरे सप्ताह आसमान साफ रहने और धूप तेज रहने के कारण दिन में गर्मी का असर अधिक महसूस होगा। न्यूनतम तापमान भी 21 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जिससे रातें भी अपेक्षाकृत गर्म रहेंगी। सूर्योदय का समय सुबह 5:31 बजे से घटकर 5:27 बजे तक पहुंच जाएगा, जबकि सूर्यास्त लगभग 6:11 से 6:12 बजे के बीच रहेगा।

बिहार में सरकारी डॉक्टरों के प्राइवेट प्रैक्टिस पर रोक, सरकार ने जारी किया आदेश

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा एक बड़ा फैसला लिया है. इसका असर राज्य के सरकारी डॉक्टरों पर पड़ेगा. सरकार ने तय किया है कि बिहार स्वास्थ्य सेवा संवर्ग, बिहार चिकित्सा शिक्षा सेवा संवर्ग और इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान चिकित्सा सेवा संवर्ग के तहत काम करने वाले एलोपैथिक डॉक्टर और चिकित्सा शिक्षक अब निजी प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे. यह फैसला राज्य सरकार के सात निश्चय-3 कार्यक्रम के तहत लिया गया है. स्वास्थ्य विभाग के प्रस्ताव पर सरकार ने सहमति दे दी है. इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग ने आधिकारिक संकल्प जारी कर दिया है. आदेश में कहा गया है कि यह रोक उन सभी डॉक्टरों और चिकित्सक शिक्षकों पर लागू होगी जो सरकारी सेवा में कार्यरत हैं. यानी अब सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों में काम करने वाले डॉक्टर अपनी सरकारी ड्यूटी के साथ निजी क्लिनिक या प्राइवेट प्रैक्टिस नहीं चला पाएंगे. सरकार का कहना है कि इस कदम का मकसद सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाना और मरीजों को बेहतर इलाज देना है. अक्सर शिकायत मिलती थी कि कई डॉक्टर सरकारी ड्यूटी के दौरान भी निजी प्रैक्टिस में व्यस्त रहते हैं. इससे अस्पतालों में मरीजों को परेशानी होती है. इसी को देखते हुए यह सख्त निर्णय लिया गया है. सरकार ने यह भी साफ किया है कि निजी प्रैक्टिस पर रोक के बदले डॉक्टरों को गैर-व्यवसायिक भत्ता यानी एनपीए या प्रोत्साहन राशि दी जाएगी. इसकी गाइडलाइन बाद में सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद अलग से जारी की जाएगी।